Ans. (b) – सन् 1679 में जन्में मारवाड़ शासक अजीत सिंह को मुगल शासक औरंगजेब से बचाने हेतु बघेली रानी ने अपने बच्चे के स्थान पर अजीत सिंह का पालन-पोषण किया। जिसके कारण उन्हें मारवाड़ की पन्ना धाय कहा जाता है।

147. गोरा धाय ने मारवाड़ के __________की जान बचाई।

(a) उदयसिंह (b) अजीतसिंह
(c) सुमेरसिंह (d) चन्द्रसेन

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

148.पन्ना धाय एवं दुर्गादास के जीवन से जो विशेष प्रेरणा मिलती है, वह है–

(a) धोखा न देने की
(b) सेवा भावना की
(c) देश के लिए बलिदान की
(d) साहस एवं धैर्य की

उत्तर–(c) **RPSC RAS/RTS-1993**

व्याख्या–पन्ना धाय एवं दुर्गादास के जीवन से हमें देश के लिए बलिदान की प्रेरणा मिलती है। राजस्थान में ही नहीं अपितु भारतीय संस्कृति में पन्ना धाय का नाम मातृत्व बलिदान, साहस एवं वात्सल्य का प्रतीक बन गया। इन्हें समर्पण एवं त्याग की प्रतिमूर्ति मानते हैं। मारवाड़ के वीर दुर्गादास में देशभक्ति व स्वामी भक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। ऐसे महान देशभक्त का जन्म 1638 में महाराजा जसवंत सिंह के मंत्री आसकरण के यहाँ हुआ था।

149. दुर्गादास राठौर ने मारवाड़ के किस शासक को गद्दी पर बिठाने में सहयोग दिया?

(a) जसवन्त सिंह
(b) अजीतसिंह
(c) अमर सिंह
(d) सूरसिंह

RPSC Kanishta Abhiyanta (Y.V.) 20-05-2022, Shift-II

Ans. (b) : वीर दुर्गादास राठौर ने अजीत सिंह (1679–1724 ई.) को मारवाड़ का राजा बनाने में सहयोग किया था। वीर दुर्गादास ने औरंगजेब का विरोध करके अजीत सिंह को मारवाड़ की गद्दी पर बैठाया था। किन्तु अजीत सिंह लोगों के बहकावें में आकर दुर्गादास को निर्वासित कर दिया था।

150. औरंगजेब की मृत्यु तक अपने को स्वतंत्र करने का प्रयास करने वाला राजपूत राज्य था-

(a) मारवाड़ (b) मेवाड़
(c) जयपुर (d) बीकानेर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (a) – राजपूत और औरंगजेब के मध्य युद्ध मारवाड़ की सत्ता के उत्तराधिकार को लेकर शुरू हुआ। मारवाड़ के शासक राजा जसवंत सिंह थे, जिन्होंने उत्तराधिकार के संघर्ष में दारा का पक्ष लिया था। 1678 ई0 में जसवंत सिंह की मृत्यु हो गयी। जसवंत सिंह का अल्प वयस्क पुत्र अजीत सिंह था जिसे दुर्गादास ने मारवाड़ का (1679-1724 ई) शासक बनाया था। 1707 ई0 में अजीत सिंह मारवाड़ का स्वतंत्र शासक बना।

151. जोधपुर महाराजा अभयसिंह और सर बुलन्द खाँ के बीच हुए अहमदाबाद युद्ध का आँखों देखा वर्णन किया ग्रन्थ में मिलता है-

(a) तारीक-ए-अलाई (b) हम्मीद महाकाव्य
(c) वंश भास्कर (d) राज रूपक

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (d) – प्रसिद्ध अहमदाबाद का युद्ध जून 1730 को जोधपुर के महाराजा अभय सिंह और अहमदाबाद के सुबेदार सर बुलन्द खाँ के बीच हुआ था। इस युद्ध का आँखो देखा वर्णन 'राजरूपक' में मिलता है। राजरूपक वीरभाण द्वारा लिखी गई है। इसकी शैली डिंगल है।

152. महारानी विक्टोरिया के स्वर्ण जुबली उत्सव में भाग लेने के लिए 1887 ई. में मारवाड़ के प्रतिनिधि के रूप में किसे इंग्लैण्ड भेजा गया-

(a) जसवन्त सिंह
(b) कल्याण सिंह
(c) प्रताप सिंह
(d) विजय सिंह

ठ्ठें शर्म्हिर्म्ि अज्त्दर्ई 21.8.2016

Ans. (c) – महारानी विक्टोरिया के स्वर्ण जुबली उत्सव में भाग लेने के लिए वर्ष 1877 ई. में मारवाड़ के प्रतिनिधि के रूप में महाराजा जसवन्त सिंह ने प्रताप सिंह को महाराजाधिराज की उपाधि देकर लन्दन भेजा।

153. मारवाड़ राज्य में किस प्रकार के सामंतों को रेख, हुक्मनामा और चाकरी से 3 पीढ़ियों के लिए मुक्त किया जाता था?

(a) राजवी (b) कुमावत
(c) सरदार (d) राणावत

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (a) : मारवाड़ राज्य के 'राजवी' सामंतों को रेख, हुक्मनामा और चाकरी से 3 पीढ़ियों के लिए मुक्त रखा जाता था। मारवाड़ में चार प्रकार की श्रेणियाँ थी- राजवी, सरदार, गनायत व मुत्सद्दी। राजवी राजा के तीन पीढ़ियों तक के लिए निकट सम्बन्धी होते थे उन्हें रेख, हुक्मनामा कर और चाकरी से मुक्त रखा जाता था।

154. किशनगढ़ राजघराना निम्नलिखित में से किस राजपूत कुल से सम्बन्धित था?

(a) चौहान (b) भाटी
(c) सिसोदिया (d) राठौड़

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (d) – उदयसिंह के पुत्र किशनसिंह ने 1609 ई. में किशनगढ़ बसाया तथा उसे राठौड़ सत्ता का केन्द्र बनाया।

155. मारवाड़ से निष्कासन के बाद दुर्गादास को मेवाड़ राज्य में क्या पद दिया गया?

(a) सेनापति (b) हाकिम
(c) प्रधान (d) मनसबदार

RPSC SI 14-09-2021

Ans. (b) : मारवाड़ से निष्कासन के बाद दुर्गादास को मेवाड़ राज्य में हाकिम का पद दिया गया। जीवन के अंतिम समय में वे महाकाल की नगरी उज्जैन चले गये और यहीं उनका देहांत हुआ।

156. 'मुगल बादशाह अपनी विजयों में से आधी के लिए राठौड़ों की एक लाख तलवारों के अहसानमन्द थे।' ये कथन कहा है-